भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
22.07.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 618 का उत्तर

केरल में तीसरी रेलवे लाइन परियोजना

618. श्री एम. के. राघवनः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलवे ने केरल में तीसरी रेलवे लाइन परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अध्ययन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूरी कर ली है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने केरल में, विशेष रूप से उत्तर केरल में तीसरी रेलवे लाइन परियोजनाओं को पूरा करने की कोई समय-सीमा तय की है और यदि हां, तो इसके पूरा होने की संभावित तिथि क्या है; और

(ग) क्या रेलवे ने दक्षिण रेलवे के शोरनूर-मंगलूरू खंड में स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली लागू करने की योजना बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): केरलम राज्य में रेल नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने हेतु निम्नलिखित सर्वेक्षणों कार्यों को मंजूरी दी गई है:

क्र.सं.	परियोजना	स्थिति
1	षोरणूर-कोयम्बटूर तीसरी और चौथी लाइन (99 कि.मी.)	फील्ड सर्वेक्षण पूरा किया गया। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य शुरू किया गया।
2	षोरणूर-एर्णाकुलम तीसरी और चौथी लाइन (107 कि.मी.)	फील्ड सर्वेक्षण पूरा किया गया। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य शुरू किया गया।
3	मेंगलुरु-षोरणूर तीसरी लाइन (307 कि.मी.)	फील्ड सर्वेक्षण पूरा किया गया।

		विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य शुरू किया गया।
4	एर्णाकुलम-कायमकुलम तीसरी लाइन (कोट्टायम के रास्ते) (115 कि.मी.)	यातायात सर्वेक्षण पूरा किया गया। फील्ड सर्वेक्षण शुरू किया गया।
5	तिरुवनंतपुरम-नागरकोइल तीसरी लाइन (71 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए सर्वेक्षण कार्य स्वीकृत किया गया
6	कायमकुलम-तिरुवनंतपुरम तीसरी लाइन (105 कि.मी.)	फील्ड सर्वेक्षण पूरा किया गया। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य शुरू किया गया।

क्षमता संवर्धन कार्य जैसे स्वचालित सिगनल प्रणाली अथवा बहुपथन कार्य कई कारकों के आधार पर शुरू किए जाते हैं जैसे क्षेत्र की स्थलाकृतिक स्थिति, परिचालन संबंधी आवश्यकताएं, यातायात का अनुमान आदि। अतः षोरणूर-मंगलूरू की क्षमता बढ़ाने के लिए जो पहले से ही दोहरी लाइन खंड है, तीसरी और चौथी लाइन मेंगलुरु-षोरणूर, उत्तरी केरलम के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को उपर्युक्त विवरण के अनुसार मंजूरी दे दी गई है। फील्ड सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को अंतिम रूप देने के पश्चात, परियोजना को मंजूरी देने के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है।

<u>केरलम:-</u>

<u>रेल बजट:-</u>

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में काफी वृद्धि हुई है। केरलम राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	372 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2026-27	3,795 करोड़ रु. (10 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:-

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, केरलम राज्य में पूर्णतः/अंशतः रूप से पड़ने वाली 11,650 करोड़ रु. की लागत पर 302 किलोमीटर लंबाई की 09 परियोजनाओं (03 नई लाइन और 06 दोहरीकरण) को मंजूरी दी गई है। इसका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	03	148	0	317
दोहरीकरण/बहुपथन	06	154	40	3,550
कुल	09	302	40	3,867

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं

केरलम राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	डिंडीगुल-पालघाट और पोलाची-कोयंबटूर आमान परिवर्तन (217 कि.मी.)	1,360
2	कोल्लम-तिरुचेंदुर आमान परिवर्तन (357 कि.मी.)	1,122
3	मुलांटुरुट्टी-कुरुप्पनतरा दोहरीकरण (24 कि.मी.)	303
4	चेंगन्नुर-चिंगवनाम दोहरीकरण (27 कि.मी.)	436
5	अम्बालापुझा-हरिपद दोहरीकरण (18 कि.मी.)	346
6	कुर्रुपंथरा-चिंगावनम दोहरीकरण (27 कि.मी.)	749

चालू परियोजनाएं:-

केरलम राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली शुरू की गई कुछ परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	तिरुन्नावाया - गुरुवायूर नई लाइन (35 कि.मी.)	144
2	अंगमाली-सबरीमाला नई लाइन (111 कि.मी.)	3,801

3	एर्नाकुलम-कुंबलम दोहरीकरण (8 कि.मी.)	808
4	कुंबलम - थुरवूर दोहरीकरण (16 कि.मी.)	1,172
5	त्रिवेंद्रम-कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	4,494
6	अलप्पुझा-अम्बालापुझा दोहरीकरण (13 कि.मी.)	324
7	तुरावुर - मरारिकुलम दोहरीकरण (21 कि.मी.)	451
8	मारारिकुलम-अलप्पुझा दोहरीकरण (11 कि.मी.)	221

केरलम राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। केरलम राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

केरलम में परियोजनाओं के लिए आवश्यक कुल भूमि	618 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	78 हेक्टेयर (13%)
अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि	540 हेक्टेयर (87%)

रेलवे द्वारा केरलम सरकार को भूमि अधिग्रहण के लिए 1,976 करोड़ रुपये जमा कराए गए थे। भूमि अधिग्रहण कार्यों में तेजी लाने के लिए केरलम सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल आवश्यक भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	अंगमाली - सबरीमाला नई लाइन (111 कि.मी.)	304	25	279
2.	एर्णाकुलम - कुंबलम कहीं कहीं दोहरीकरण (8 कि.मी.)	4	3	1
3.	कुंबलम - तुरावुर पैच दोहरीकरण (16 कि.मी.)	10	9	1
4.	षोरणूर-वल्लाथोल दोहरीकरण (10 कि.मी.)	5	0	5

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल इसकी सफलता केरलम राज्य सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की मंजूरी कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा प्रदान की गई प्रथम और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******